मुरकी उर्फ बुलाकी

HSSLiVE.IN

कहानी **श्रीमती अमृता प्रीतम**

लेखक के बारे में:

श्रीमती अमृता प्रीतम पंजाब और हिंदी के सबसे विख्यात लेखकों में एक हैं। वे पंजाबी भाषा की पहली कवयित्री माना जाता है। उनकी कृतियों का अनेक देशी-विदेशी भाषाओं में अनूदित हुआ। 1982 में उन्हें ज्ञानपीठ मिला।

भूमिका:

'मुरकी उर्फ बुलाकी' अमृता प्रीतम की प्रसिद्ध कहानी हैं, जिसमें एक निरालंब स्त्री का सफल चित्रण किया है। बचपन मे ही उसकी माताजी की मृत्यु हुई है। फिर चाचा के घर मे जीवन बिताया। विवाह के छह महीने बाद पति द्वारा उपेक्षित मुरकी फिर राजवंती के घर पहुँचता है। स्त्रीत्व की रक्षा केलिए ज़िंदगी भर तड़पती रहनेवाली ग्रामीण नारी के संघर्ष भरी कहानी यहाँ खींचा है।

नीचे दिए गद्यांश से प्रश्नों का उत्तर ढूँढें:

(I) माँ! मुरकी.... सारी बात सुना।

(1) अपनी बचपन से कुमार मुरकी को कहाँ देखा करता था?

अपने घर की पिछली कोठरी मे।

(2) मुरकी का ब्याह कब हुआ था?

जब कुमार को चार वर्ष की आयु था, तब मुरकी का ब्याह हुआ था।

(3) 'न कोई जन्मानेवाला और न कोई सहेजनेवाला।' किसने, किसके बारे में, किससे कहते हैं?

राजवंती माँ ने कुमार से मुरकी के बारे में कहती है।

(4) "न कोई जन्मनेवाला और न कोई सहेजने वाला"- मुरकी के बारे में माँ ऐसा क्यों कहती है?

जब मुरकी छोटी थी, उसकी माता की मृत्यु हुई है। उसके बाप ने उसे राजवंती के यहाँ बच्चे को देखभाल करने केलिए ले आए। जब वह युवती बन गई, उसके पिता ने अपने गाँव के एक धनी आदमी से विवाह निश्चय किया। लेकिन मुरकी एक शहरी लड़के के साथ भाग गई। छः महीने के बाद उसके पति ने उसे छोड़ दिया। वह किसी दयालु आदमी से राह का भाड़ा लेकर राजवंती के यहाँ लौट आई। अब उसको पिता और पति नहीं था। इसलिए कहा गया है - 'न कोई जन्मनेवाला और न कोई सहजनेवाला।'

(5) खंड का संक्षेपण करें।

कुमार की चार वर्ष की आयु में मुरकी की ब्याह हुआ था। उसके जन्मनेवाले और सहेजनेवाले नहीं थे।

(6) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

मुरकी की ब्याह

HSSLiVE.IN

(II) इसका बाप …….लिया करेगी…।

(1) मुरकी का बाप कौन थी?

मुरकी का बाप राजवंती माँ के घर के पुराना नौकर था।

(2) मुरकी के बाप ने राजवंती माँ से क्या विनती की?

उसकी पत्नी मर चुकी थी। बेटी गाँव में चाचा के पास अकेली रहती है। यदि मैं मान जाऊँ तो वह अपनी लड़की को यहाँ ले आए।

(3) मुरकी को किसलिए राजवंती माँ के यहाँ ले आना चाहा?

मुरकी तो राजवंती माँ के बेटा को खिलाया करेगी और रोटी खा लिया करेगी।

(4) खंड का संक्षेपण करें।

मुरकी की बाप ने राजवंती माँ के आगे विनती की कि उसकी स्त्री मर गई है। लड़की गाँव में चाचा के पास अकेली है। अगर उसे यहाँ ले आए तो बेटे को खिलाया करेगी और रोटी भी खा लेगा।

(5) खंड केलिए उचित शीर्षक लिखें।

बाप की विनती।

(III) मैंने शुक्र किया …. छोटा-सा बुलाक।

(1) राजवंती माँ ने क्यों शुक्र किया?

राजवंती माँ ने शुक्र किया क्योंकि उसको हाथ का सहारा मिल जाएगा।

(2) राजवंती माँ के यहाँ ले आते समय मुरकी की आयु कितनी थी?

मुश्किल से बारह वर्ष।

(3) राजवंती माँ के यहाँ ले आते समय मुरकी कैसी लड़की थी?

बड़ी मासूम-सी लड़की थी। बदन से दुर्बल-सी, सफ़ेद रंगीन सुंदरी थी।

(4) गाँव से आते वक्त मुरकी क्या-क्या वस्त्र पहने थे?

जब वह आई, मुरकी काली सलवार और हरे रंग का कुर्ता पहनी थी।

(5) गाँव से आते वक्त मुरकी क्या-क्या आभूषण पहने थे?

कानों में चाँदी की छल्ले पहने थी, नाक में सोने का छोटा-सा बुलाक भी पहने थी।

(6) खंड का संक्षेपण करें।

गाँव से आते समय मुरकी की आयु मुश्किल से बारह वर्ष थे। मासूम-सी लड़की, बदन से दुर्बल, रंग सफेद और नयन-नक्श भी सुंदर। कानों में चाँदी की छल्ले और नाक में सोने का छोटा-सा बुलाक पहनी थी।

(7) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

छोटी मुरकी।

HSSLiVE.IN

Hss Live

HSSLiVE.IN

(IV) तुझे तो वह ...... बुलाकी।

(1) छोटे कुमार को मुरकी कैसे खिलाती थी?

छोटे कुमार को मुरकी अपने हाथों से नहीं खिलाती थी, अपनी जान से खिलाती थी।

(2) कुमार कैसे अपने प्यार प्रकट करते है?

कुमार तो मुरकी का पीछा नहीं छोड़ता था। वह कभी-कभी उसकी मुरकियों को मुट्ठी भर लेता था या कभी उछलकर उसकी बुलाक को पकड़ता था।

(3) राजवंती माँ प्यार से उसे क्या पुकारते थे?

राजवंती माँ प्यार से कभी उसे मुरकी बुलाती थी, कभी बुलाकी।

(4) खंड का संक्षेपण करें।

वह कुमार को अपने हाथों से नहीं लिखाती थी, अपने जान से खिलाती थी। कुमार तो उसका पीछा नहीं छोड़ता था। कभी उसकी मुरकियों को मुट्ठी भर लेता था या कभी उछलकर उसकी बुलाक को पकड़ता था।

(5) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

मुरकी और कुमार का प्यार।

(V) माँ, यह मुरकी .....खड़े हो जाते थे।

(1) मुरकी और बुलाकी नाम किसने रखे थे?

कुमार की माँ ने।

(2) मुरकी का रुप कब चढ़ गया?

सोलह-सत्रह वर्ष की आयु में मुरकी का रूप खूब चढ़ गया। अतः वह बहुत सुंदरी बन गई।

(3) मुरकी का सौंदर्य देखकर राजवंती माँ क्या कहती थी?

मुरकी का सौंदर्य देखकर राजवंती माँ आश्चर्य से कहती थी, मुरकी तुम किसकी कानों में पड़ेगी या किसकी नाक मे बुलाक की तरह चमकेगी?

(4) मुरकी की पहाड़ी गीत की विशेषता क्या थी?

मुरकी बड़े सुंदर पहाड़ी गीत गाती थी, जिसे सुनकर उड़ते पंछी भी खड़े हो जाते थे।

(5) खंड़ का संक्षेपण करें।

सोलह-सत्रह वर्ष की आयु में उसका रूप चढ़ गया। वह अच्छी तरह पहाड़ी गीत गाती थी, जिसे सुनकर उड़ते पंछी भी खड़े होते थे।

(6) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

मुरकी का सौंदर्य।

DO NOT COPY

HSSLiVE.IN

(VI) इसके बाप ने ....केक बनाता था।

(1) बाप ने किससे मुरकी का रिश्ता कर दिया है?
अपने गाँव के किसी आदमी से।

(2) मुरकी के पति के रूप में चुना हुआ व्यक्ति की विशेषता क्या-क्या था?
वह दूजा अर्थात उसकी पहली पत्नी की मृत्यु हुई थी। कई अवगुण भी थे, आँखों में भी नुक्स था। लेकिन वे पैसेवाले थे।

(3) मुरकी के बाप ने उसके पति के रूप में एक दूजे को क्यों चुना था?
वह दूजा, पैसेवाला था। इन लोगों में लड़कियों के रुपए देते थे।

(4) दूजा का मतलब क्या है?
जिसकी पहली पत्नी मर गई हो।

(5) अपनी शादी की बात सुनकर मुरकी ने क्या किया?
वह रात ही रात एक शहरी लड़की के साथ भाग गई।

(6) मुरकी किसके साथ भाग गई? क्यों?
मुरकी एक शहरी लड़की के साथ भाग गई क्योंकि उसके बाप ने उसकी शादी अपने गाँव के एक दूजा से पक्की थी।

(7) मुरकी का प्रेमी क्या काम करता था?
मुरकी का प्रेमी बड़े बाज़ार के एक होटल में काम करता था, केक बनता था।

(8) खंड़ का संक्षेपण करें।
जब शादी पक्की थी, मुरकी एक शहरी लड़के के साथ भाग गई। शहरी लड़के छबीला था। बड़े बाज़ार के होटल में केक बनाता था।

(9) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।
मुरकी के प्रेमी।

(VII) चार-छह महीने ...... वस्तुएँ खरीदी।

(1) विवाह के बाद वे दोनों कहाँ रही?
विवाह के बाद चार-छह महीने वे दोनों किसी शहर में रही।

(2) मुरकी के पति ने घर कैसे बनवाया?
जो कुछ पास था, उसे बेचकर घर बनवाया।

(3) शहरी लड़के के साथ भाग जाते समय मुरकी के पास किन-किन आभूषण थे?
मोटे-मोटे चाँदी के कड़े, चाँदी की ज़जीर सोने की अंगूठी और बालियाँ थी।

(4) राजवंती माँ ने मुरकी को क्या-क्या आभूषण दिए है?
राजवंती माँ ने मुरकी को सोने की अंगूठी और बालियाँ दिए है।

(5) राजवंती माँ ने मुरकी को सोने की अंगूठी कब दिए?
कुमार की जन्मदिन पर मुरकी को राजवंती माँ ने सोने की अंगूठी दी थी।

(6) घर की वस्तुएँ खरीदने केलिए पैसे कैसे मिला?
मुरकी के आभूषण बेचकर घर की वस्तुएँ खरीदी।

HSSLiVE.IN

(7) शहरी लड़के ने मुरकी के प्यार का फायदा कैसे उठाया?

शहरी लड़के ने मुरकी को किसी शहर में ले गया। उसके पास जो कुछ था, उसे बेचकर एक घर बनाया। उसके पास जो गहने थे, उसे बेचकर घर की वस्तुएँ खरीदी। इतने में एक और स्त्री उसकी नज़र में बैठ गई। वह तो मुरकी को गाँव में दशहरे की मेला दिखाने केलिए ले गया और रात को सराय में सोई हुई मुरकी के आँचल से घर की चाबी खोलकर उसे वहाँ छोड़कर भाग गया।

HSSLiVE.IN

(8) खंड़ का संक्षेपण करें।

कुछ महीने वे एक शहर में रही। उसने घर बनवाया। मुरकी के पास चाँदी के कड़े, जंजीर, अंगूठी और बालियाँ थी। मुरकी के आभूषण सब बेचकर घर की वस्तुएँ खरीदीं।

(9) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

मुरकी का कमाई।

(VIII) फिर कोई ....कहाँ भटकती?

(1) शहरी लड़के के नज़र में कौन बैठ गई?

शहरी लड़की का नज़र में कोई और स्त्री बैठ गई।

(2) अपनी नज़र में किसी दूसरी स्त्री आ बैठने पर शहरी लड़के ने क्या किया?

उसने मुरकी को दशहरा का मेला देखने केलिए ले गया और किसी सराय में छोड़ दिया।

(3) शहरी लड़के ने मुरकी को कहाँ ले गया?

दशहरा का मेला देखने केलिए।

(4) शहरी लड़के ने मुरकी को कहाँ छोड़ दिया? कब?

सराय में सोई हुई मुरकी के आँचल से घर की चाबी खोलकर छोड़ दिया।

(5) मुरकी क्यों अपनी पति को नहीं ढूँढा?

मुरकी कहती थी, मन के सौदे में जब उसका मन ही मुकर गया तो फिर तन को ढूँढ़ने से क्या फ़ायदा है।

(6) मुरकी राजवंती माँ के यहाँ कैसे लौट आई?

किसी दयालु व्यक्ति से राह का भाड़ा लेकर लौट आई।

(7) किसी दयालु व्यक्ति से राह का भाड़ा लेकर लौट नहीं आया तो मुरकी की अवस्था कैसे हो जाएगा?

किसी दयालु व्यक्ति से राह का भाड़ा लेकर लौट नहीं आया तो मुरकी कहीं-कहीं भटकेगा।

(8) खंड़ का संक्षेपण करें।

शहरी लड़के की नज़र में किसी और स्त्री आ बैठी। वह मुरकी को दशहरा का मेला देखने ले गया। रात में सराय में सोनेवाले मुरकी के आँचल से घर की चाबी खोलकर उसे वहाँ छोड़ दिया। मुरकी किसी दयालु व्यक्ति से राह का भाड़ा लेकर लौट आई।

(9) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

उपेक्षिता मुरकी।

HSSLiVE.IN

HSSLiVE.IN

(IX) यहाँ हमारे घर ....घर न हो...।

(1) मुरकी कहाँ आ गई?

अपने घर के अपनी कोठरी में।

(2) मुरकी को कोठरी देते समय राजवंती माँ ने क्या वायदा किया?

कोठरी देते समय राजवंती माँ ने उसके साथ वायदा किया कि मैं अपने जीते-जी इसको कभी भी काम से जबाव नहीं दूँगी और कुमार भी उसको इस कोठरी से नहीं निकालेगा।

(3) मुरकी की कहानी सुनकर कुमार ने क्या किया?

मुरकी की कहानी सुनकर कुमार की आँखें तो भर गई लेकिन आँसु आँखों में ही रहा।

(4) राजवंती माँ के यहाँ आते समय मुरकी का मुँह कैसा था?

राजवंती माँ के यहाँ आते समय मुरकी का मुँह खोई हुई बछड़ी जैसा था।

(5) कुमार की आँखों का पानी आँखों में ही रहा। राजवंती की आँखें छलक पड़ीं। दोनों मे मन की संवेदनाएँ भिन्न प्रकार से प्रकट की। क्यों?

कुमार पुरुष हैं और राजवंती स्त्री। दोनों के मन में मुरकी के प्रति गहरी सहानुभूति था। फिर भी पुरुष होने के नाते कुमार अपने आँसू आँखों में ही रोक लिया। दुःख एवं दर्द में रोना स्त्री सहज प्रवृत्ति है और मुरकी की कहानी सुनकर राजवंती की आँखों से आँसू गिर पड़ी।

(6) खंड़ का संक्षेपण करें।

मुरकी को राजवंती माँ ने घर की एक कोठरी देकर वायदा किया कि अपने जीते-जी इसको कभी भी काम से जबाव नहीं दूँगी और कुमार भी उसको इस कोठरी से नहीं निकालेगा। कहानी सुनकर कुमार की आँखें भर आई। यहाँ आते समय मुरकी का मुँह खोई हुई बछड़ी जैसा था।

(7) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

खोई हुई **बच्छड़ी**।

(X) माँ, तू बड़ी......नहीं निकालूँगा।

(1) कुमार की माँ ने कौन-सी अच्छी बात की है?

पति द्वारा उपेक्षिता मुरकी को कुमार की माँ ने अपने घर में अभय दिया।

(2) मुरकी के रूप को देखकर कुमार की माँ क्या कहती थी?

मुरकी के रूप को देखकर कुमार की माँ कहती थी, तू किसके कान में पड़ेगी।

(3) जब वापस आई मुरकी ने क्या कहा?

जब वापस आई मुरकी ने कहा कि मुझे किसीने कानों में पहना था। लेकिन बोझ के कारण उसके कान फट गई।

(4) कुमार की आँखें क्यों भर गई?

शायद पुरुष वर्ग की लाज रखने केलिए कुमार की आँखें भर आई।

HSSLiVE.IN

(5) कुमार की वर्षगाँठ में उससे क्या प्रण लिया था?

कुमार की वर्षगाँठ में उससे प्रण लिया था कि मुरकी को जीते-जी कभी इस कोठरी से नहीं निकालूँगा।

(6) 'शायग मर्द जाति की कोई लाज रखने केलिए!' कुमार की चरित्र की कौन-सी विशेषता यहाँ प्रकट होती है?

बचपन में मुरकी ने उसे खिलाया। अब उसकी दयनीयता सुनकर वह दुःखी होते हैं। यहाँ कुमार की संवेदनशीलता और सहजीवियों के प्रति जो सहानुभूति हैं, प्रकट होती है।

(7) खंड़ का संक्षेपण करें।

कुमार की माँ ने उसके काम का मोल चुकाया था।

(8) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

कुमार का प्रण।

(XI) हाँ कुमार........ आँसू मिले हुए थे।

(1) अपने मर्द से उपेक्षित होकर आते समय राजवंती माँ ने मुरकी को क्या दिया?

अपने मर्द से उपेक्षित होकर आते समय राजवंती माँ ने मुरकी को उसकी पुरानी कोठरी की चाबी दिया।

(2) कुमार की माँ ने मुरकी को कोठरी की चाबी कब दी?

जब उसके मर्द उसके घर की चाबी उसके पल्ले से खोल ली थी, तब कुमार की माँ ने इस कोठरी की चाबी दिया।

(3) मुरकी को कोठरी की चाबी देकर कुमार की माँ ने क्या कहा था?

मुरकी को कोठरी की चाबी देकर कुमार की माँ ने कहा था कि उसके जीते-जी कोई तुझसे यह चाबी नहीं छीनेगा।

(4) कुमार की माँ को कोठरी की चाबी कब मिला?

मुरकी की मरी को नहलाते समय कुमार की माँ को कोठरी की चाबी मिला।

(5) मुरकी की मृत्यु के बाद कोठरी की चाबी कहाँ से मिली?

कोठरी की चाबी मुरकी के नेफ़े में खोंसी हुई थी।

(6) कोठरी की चाबी से मुरकी के शरीर को क्या हुआ?

वह चाबी मुरकी के माँस से चिपक कर उसके देह में जख़्म कर दिया था। लेकिन अपने जीते-जी उस चाबी को अपने माँस से नहीं उतारा।

(7) खंड़ का संक्षेपण करें।

मुरकी के मर्द ने उसके पल्ले से घर की चाबी खोल ली तो कुमार के माँ ने उसे कोठरी का चाबी देकर कहा कि जीते-जी कोई उससे चाबी नहीं छीनेगा। जब मुरकी की मरी को नहलाया, चाबी उसके नेफ़े में खोंसी हुई थी। माँस से चिपककर जख़्म कर दी थी। फिर भी वह उसे अपने माँस से नहीं उतरा ।

(8) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।

मुरकी....बुलाकी एक औरत।

HSSLiVE.IN

अनुवर्ती कार्यः

(1) पति द्वारा उपेक्षित होने पर मुरकी किसी दयालु व्यक्ति से भाड़ा लेकर राजवंती के यहाँ आती है। वहाँ मुरकी और राजवंती के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

HSSLiVE.IN

मुरकी : माँ.....माँ.....
राजवंती : मुरकी, बेटी, आओ।
मुरकी : (रोते हुए) मुझे ज़रा पानी लीजिए।
राजवंती : (पानी देते हुए) रोती क्यों है? पति कहाँ है?
मुरकी : पति! वह तो मुझे छोड़ दिया।
राजवंती : क्यों? अब वह कहाँ है?
मुरकी : मालुम नहीं। किसी स्त्री के साथ।
राजवंती : कहाँ छोड़ा?
मुरकी : कल हमने दशहरा का मेला देखने गया था।
राजवंती : फिर
मुरकी : रात में एक सराय में सोया। सबेरे उठते वक्त मैं अकेला था।
राजवंती : अकेले!
मुरकी : हाँ, माँ जी। उसने घर के चाबी भी छीन लिया।
राजवंती : चाबी! कैसे।
मुरकी : मेरे आँचल से खोल दी है।
राजवंती : कैसे इधर तक आई?
मुरकी : एक दयालु आदमी ने राह का भाड़ा दिया।
राजवंती : अच्छा बेटी।
मुरकी : माँ जी, अब मैं क्या करूँ? कहाँ रहूँ।
राजवंती : घबराओ मत बेटी। अंदर आओ। तुम्हारा पुराना कमरा वहाँ है।
मुरकी : माँ जी, आप मुझे..
राजवंती : ये चाबी ले लो। मेरे जीते-जी कभी कोई तुझसे यह नहीं छीनेगा।
मुरकी : धन्यवाद, माँ जी।
राजवंती : धन्यवाद नहीं कहना। अब तू थोड़ी विश्राम करें।

(2) पति द्वारा उपेक्षित बुलाकी को राजवंती अपने यहाँ आश्रय देती है। संकेतों के आधार पर बुलाकी का आत्मकथांश तैयार करें।

सहायक संकेतः

❖ राजवंती के यहाँ आश्रय मिलना - राजवंती द्वारा कोठरी की चाबी पकड़ा जाना - जीवन भर चाबी न छीनने का वादा मिलना

दूसरा जन्म

माताजी के मृत्यु के बाद कुछ दिन चाचा के घर में रहा। बारह वर्ष की आयु में पिताजी ने इस घर में ले आया। यहाँ मुझे आश्रय मिला। वहाँ मुझे खाने केलिए अच्छा भोजन और सोने

HSSLiVE.IN

DO NOT COPY

केलिए एक कमरे मिला। यहाँ छोटे कुमार को खिलकर चार-पाँच वर्ष तक रहा। वास्तव में वह था मेरे जीवन के खुशी भरे दिन। यहाँ के माँ ने मुझे एक बेटी जैसे प्यार दिया।

युवती होने पर पिताजी ने मेरी शादी की तैयारियाँ शुरु की। गाँव के एक आदमी के साथ, उसका दूसरा विवाह था। पहली पत्नी मर चुकी थी। उसी रात मैं ने एक शहरी लड़की के साथ भाग गया।

कुथ महीने खुशी से रहा। हमने घर बनाया। मेरे सारे संपत्ति, जो राजवंती माँ ने दिया था, लेकर घर केलिए वस्तुएँ भी खरीदा। इतने में एक स्त्री उसकी नज़र में आ बैठी। एक दिन दशहरे की मेला देखकर लौटते वक्त सराय में ठहरा। पति ने मुझे वहाँ छोड़कर कहीं गया। जाने के पूर्व उसने मेरे पल्ले से घर का चाबी भी ले लिया। मैं अकेला, उसी सराय में। फिर किसी दयालु आदमी से की मदद से यहाँ आ पहुँचा। राजवंती माँ ने मुझे आश्रय दिए और मेरे पुराने कमरे की चाबी भी दिए। उसने वादा किया कि कोई भी मुझसे चाबी नहीं छीनेगा। यहाँ आश्रय नहीं मिला तो क्या होगी मेरी स्थिति? सोचने की शक्ति भी नहीं है।

परीक्षा की तैयारी केलिए:

HSSLIVE.IN

(1) 'माँ! मुरकी का ब्याह कब हुआ था?'- कुमार ने अपनी माँ से पूछा। माँ और कुमार में हुई वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

कुमार : माँ! मुरकी का ब्याह कब हुआ था?
माँ : उसका भी ब्याह हुआ था, बेटा।
....

(2) घर के नौकर ने अपनी बेटी को राजवंती के घर ले आना चाहा। उस संबंध में राजवंती और नौकर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

नौकर : अम्मा जी, ज़रा मेरा बात सुनिए।
राजवंती : तुम बताओ।
....

(3) मुरकी की शादी पक्की थी। इस संबंध में मुरकी और पिता के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखे।

पिता : मुरकी, अरे मुरकी....
मुरकी : हाँ पिताजी, मैं आती हुँ।
....

(4) मुरकी के पिताजी ने अपने गाँव में कहीं मुरकी का रिश्ता कर दिया। शादी के बारे में कहने केलिए पिताजी राज वंती के यहाँ आते हैं। राजवंती माँ और मुरकी के पिताजी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

माँ : (दरवाज़ा खोलकर) अरे, कौन हैं?
पिताजी : जी, मैं हुँ। मुरकी के पिताजी.....
....

(5) पिताजी ने मुरकी की शादी पक्की। लेकिन मुरकी उस शादी नहीं चाहा। वह अपनी उस दिन की डायरी में क्या लिखा होगा? कल्पना करके लिखें।

बुधवार 10-5-2015
कई दिन के बाद आज पिताजी आए। उन्हें देखकर मैं खुश हुई। लेकिन ....

HSSLIVE.IN

Hss Live

(6) शादी की बात सुनकर मुरकी किसी शहरी लड़के के साथ भाग जाते हैं। घबर सुनकर राजवंती को वहुत दुःख हुआ। उस दिन की डायरी में वह मुरकी के बारे में भी लिखते हैं। नीचे दिए बिंदुओं के आधार पर डायरी का वह पन्ना तैयार करें।

सहायक बिंदुः

- मुरकी, घर में आना।
- अपने बेटे को जान से खिलाना।
- किसी अधेड़ आदमी से विवाह।
- शहरी लड़के से भागना।
- मुरकी के भविष्य के प्रति अपनी आशंका।

(7) अपनी शादी की बात सुनते ही मुरकी किसी शहरी लड़के के साथ भाग गई। कुछ दिन के बाद वह राजवंती माँ को टेलिफोन करती हैं। उन दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें।

(टेलिफोन बजने की धुन।)
राजवंती : हलो....हलो....कौन है?
मुकरी : माँ, यह मुरकी है।
....

(8) शहरी लड़के साथ भाग जाने से लेकर पति द्वारा उपेक्षित होने तक की घटनाएँ मुरकी का आत्मकथांश के रूप में लिखें।

शादी की बात सुनकर बहुत दुःखी हुआ। एक अधेड़ उम्र का आदमी, दूजा भी था।........

(9) पति द्वारा सराय में उपेक्षित मुरकी की मुलाकात किसी दयालु आदमी से होती हैं। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मुरकी : जी, कोई है बाहर। ज़रा दरवाज़ा खोलिए।
आदमी : हाँ........
....

(10) पति द्वारा उपेक्षित मुरकी किसी तरफ़ राजवंती के यहाँ पहुँचते हैं। राजवंती उसे अपने घर में आश्रय देती है और एक कमरा का चाबी भी देती हैं। मुरकी का उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

गुरुवार 11-5-2015
सबेरे उठें तो सराय में मैं अकेली थी। पति को न देखा। सोचा प्रभात कर्म केलिए........

(11) पति द्वारा उपेक्षित मुरकी किसी दयालु आदमी से भाड़ा लेकर राजवंती के यहाँ पहुँचती हैं। मुरकी और राज वंती के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मुरकी : माँ....माँ....
राजवंती : (दरवाज़ा खोलते हुए) हाय.. मुरकी! क्यों अकेले?
....

(12) मुरकी की मृत्यु के बाद उसकी सारी कथा सुनकर राजवंती अपनी डायरी में लिखते है। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

शुक्रवार 20-7-2015
आज मुरकी की मृत्यु हुई। मुरकी से हमारा संबंध क्या है? यह आज तक ....